

प्रार्थक,

भारत-डी०पार्लोवाल,  
मौज, म्याथ एवं विधि परामर्शी,  
उत्तराखण्ड शासन ।

प्रेम में

भारत-डी०पार्लोवाल,  
उत्तराखण्ड,  
मौज ।

पत्रांक अनुभाग : 2

दिनांक : दिनांक : 27 जुलाई 2007

विषय:- महाधिवक्ता, उत्तराखण्ड की उपकार्य वाहन क्रय किये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2007-2008 में धनराशि की स्वीकृति ।

साहचर्य,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या 61/कार/ए०सी०/2007-08 दिनांक 7.5.2007 एवं 96/कार/2007, दिनांक 13.6.2007 का मन्वर्ग प्राप्त करने का कष्ट करें ।

2. इस सम्बन्ध में मुझे यह ज्ञान था कि महाधिवक्ता, उत्तराखण्ड की उपकार्य वाहन क्रय-ए०सी०-0005 के तत्सम्बन्धित के उपरान्त प्रमाण उपलब्ध की क्षमता पर एक नई एम्बेस्डर कार को क्रय किये जाने हेतु रु० 444,500/- (चार लाख चौरासी हजार पचास सौ रुपये मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की स्वीकृति प्राप्त नहीं की अर्थात् राज्यपाल महोदय प्रदान करते हैं :-

- (1) शास्त्रीय वाहन के क्रय हेतु अनुमति प्राप्त कर में छूट हेतु ज्ञान की विमर्शित कर क्रय की कार्यवाही की जाय । स्वीकृति की जा रही धनराशि के उपयोग में होने की स्थिति में धनराशि शासन की समर्पण कर दी जाय ।
- (2) उक्त वाहन के क्रय में स्टैंडर्ड एम्बेस्डर के अलावा अन्य एम्बेस्डर हेतु धनराशि सम्मिलित नहीं है ।
- (3) वाहन के क्रय में डी०सी०एन० एण्ड टी० की दृष्टि पर किया जाय ।
- (4) वाहन की निष्पक्षीयता से सम्बन्धित समस्त कार्रवाही निष्पक्षीय घटित करना, वाहन की मालामो एव अर्जित गति की परीक्षा में उभा करना आदि। वाहन क्रय की स्वीकृति के तीन माह के अन्दर पूर्ण कर, उक्त कार्रवाही के पूर्ण करने के समस्त साध्य मध्य शासन की इच्छा अवधि में उपलब्ध करा दी जाय । यदि उक्त कार्रवाही सम्पन्नतापूर्वक पूर्ण न करने के कारण राज्य सरकार को राज्य में कोई क्षति होती है, तो उक्त कार्रवाही सम्बन्धित पर धाक से की जायगी ।
- (5) यह भी सूचित करें कि उपर्युक्त अनुदान में अधिक व्यय किसी भी दशा में न किया जाय ।
- (6) कृपया उम्मीद में किया जाय कि उक्त धनराशि स्वीकृति की जा रही है ।

3. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2007-2008 के आरम्भ के अनुदान संख्या 04 के अन्तर्गत भाग 1000 "2014-म्याथ प्रशासन-00-आयीएनएन-114-विधि तत्सम्बन्धित और परामर्शदाता(कार्गो)-03-महाधिवक्ता-00-14-कार्गो प्रमाणित स्थापन कारी/मादर गाँड़ों के क्रय" के तहत व्यय होगा ।

3- यह आदेश विल अनुभाग-5 के अन्तर्गत संख्या-72/XXVII(1)(2)/2006, दिनांक 26.7.2007 से प्राप्त उनकी समर्पण में जारी किये जा रहे हैं ।

भारतीय,

( भारत-डी०पार्लोवाल )

सचिव ।

संख्या : 7-डी6/XXXVII(1)(2)/2007-9-डी6/03

मौज विमर्शित की मन्वर्ग एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महाधिवक्ता (लेखा एवं इकाई), उत्तराखण्ड, म्याथ, देहरादून ।
- 2- मुक्त सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।
- 3- मौज कार्यालय, मौज ।
- 4- विल अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन ।
- 5- ए०सी०/महाधिवक्ता कार्यालय/मादर कार ।

मौज, म

(अलोक कुमार वर्मा)

अपर सचिव ।